

अंक-योजना अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए) वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र पूरक परीक्षा, 2026 (Supplementary Exam.) विषय-हिंदी (CORE) -302 (प्रश्न-पत्र कोड 2/7/3)	
सामान्य निर्देश:-	
1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से अवश्य पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन अवश्य करें।
2	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।
6	मूल्यांकनकर्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (X) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।

9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात् प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना • किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना • उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन • मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग • मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग • गलत कुल योग • शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना • उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना
14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

MARKING SCHEME
Hindi Core (Subject Code - 302)
(PAPER CODE: 2/7/3)

Q.No.	EXPECTED OUTCOMES/VALUE POINTS	Marks
	खंड – क (अपठित बोध)	
1.	गद्यांश पर आधारित प्रश्न : (i) (D) डिजिटल ग्रामीण व्यवस्था (ii) (B) बिचौलियों पर निर्भरता कम होना (iii) (C) केवल कथन II और III सही हैं। (iv) • ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी सुविधा पहुँचाना। • किसानों के जीवन को सरल बनाना (v) • इंटरनेट, डिजिटल भुगतान • ऑनलाइन शिक्षा और टेलीमेडिसिन (vi) • मौसम की जानकारी • फसल बीमा योजनाएँ एवं बाजार के भाव की जानकारी (कोई दो) (vii) • डिजिटल साक्षरता की कमी • धीमा इंटरनेट एवं अनियमित बिजली आपूर्ति (कोई दो)	(10) 1 1 1 $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} \times 4 = 2$ 1+1=2 1+1=2
2.	पद्यांश पर आधारित प्रश्न : (i) (C) जीवन चुनौती और साहस का समन्वय है। (ii) (D) लक्ष्यों की सिद्धि (iii) (A) केवल (I) (iv) जीवन एक संग्राम है जो सुख दुख रूपी किनारों के मध्य निरंतर गतिमान है। (v) • जो स्वयं पर विश्वास रखते हैं। • असफलताओं से सीख ग्रहण करते हैं। • गिरकर उठने का साहस रखते हैं। (कोई दो बिंदु अपेक्षित हैं) (vi) • विपरीत परिस्थितियों का सामना करना • संघर्ष करते हुए निरंतर कर्मरत रहना • विपरीत परिस्थितियों में भी लक्ष्य संधान की ओर अग्रसर रहना • दृढ़ संकल्प, धैर्य तथा परिश्रम के आलोक से मंजिल तक पहुँचना (कोई दो बिंदु अपेक्षित हैं)	(8) 1 1 1 1 1+1=2 1+1=2

	खंड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)	22
3.	दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख : आरंभ – 01 अंक विषयवस्तु – 03 अंक प्रस्तुति – 01 अंक भाषा – 01 अंक	1x6=6
4.	किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर : (i) • सभी वर्ग तथा स्तर के लोग संचार के इन माध्यमों से लाभ उठाते हैं। • जटिल भाषा के प्रयोग से बोधगम्यता समाप्त हो जाती है। • श्रव्य-दृश्य माध्यम होने के कारण कठिन जटिल या भारी भरकम शब्दों का प्रयोग करने से समाचार का अर्थ बिगड़ सकता है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ii) • लाइव यानी किसी खबर का घटनास्थल से सीधा प्रसारण। • किसी बड़ी घटना के दृश्यों, उपस्थित लोगों के कथनों को ओ.बी.वैन के जरिये सीधे दिखाना या बताना। (iii) • उल्टा पिरामिड शैली। • सबसे पहले महत्वपूर्ण घटना को प्रस्तुत किया जाता है तदुपरांत घटते क्रम से क्रमशः उसके बाद के महत्व को प्रस्तुत करते हैं। (iv) • अर्थ जीवन का मूल आधार, जीवन में विशेष महत्व • आम आदमी से लेकर खास आदमी के क्रियाकलापों में आर्थिक गतिविधियाँ, और उससे संबंधित बातचीत • समाज के प्रत्येक वर्ग की रुचि • समाचार पत्र में संपूर्णता (v) • संपादक के नाम पत्र को <u>क्यों ?</u> • इसके माध्यम से विभिन्न समस्याओं और मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करते हैं। • जन समस्याओं को भी उठाते हैं। जनमत का प्रतिबिंब • नए लेखकों के लिए लेखन की शुरुआत करने का माध्यम	(4x2=8) 2 2 1+1=2 $\frac{1}{2} \times 4 = 2$ $\frac{1}{2} \times 4 = 2$
5.	किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर : (i) • नाटक में दृश्यों का विशेष महत्व होता है। • कथानक के विकास में सहायक होते हैं। दृश्यों का उपयोग स्थान और समय के प्रवाह को दर्शाने के लिए किया जाता है।	(2x4=8) 4

	• दृश्य पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं। • पात्रों के विकास को दर्शाते हैं। • दृश्य पात्रों और परिवेश को संवादों के माध्यम से स्थापित करते हैं। • अगले दृश्य की भूमिका भी निभाते हैं। • प्रत्येक दृश्य का एक आरंभ, मध्य और अंत होता है जो नाटक की संरचना और प्रवाह को बनाए रखने में मदद करता है। (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
	(ii) • मनोरंजन का सबसे सस्ता और सहजता से प्राप्त साधन था। • देश-विदेश में घटी घटनाओं की तात्कालिक जानकारी (खबर) देने का साधन। • ज्ञानवर्धक कार्यक्रम और खेलों का प्रसारण करने में अग्रणी। • नाट्य आंदोलन के विकास में महत्वपूर्ण। (iii) • अपरिचित विषयों पर लेखन से सोचने-विचारने की क्षमता विकसित है। • रचनात्मकता का विकास होता है। • स्वयं लेखन की एक नई शैली विकसित होती है। • भाषा की पकड़ मजबूत होती है। • आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। • विश्लेषण क्षमता का विकास होता है। (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
	खंड – ग (पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)	40
6.	काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : (i) (A) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii) (ii) (B) कहीं बात और न बिगड़ जाए (iii) (D) बात को शब्दजाल से उलझाने और जटिल बनाने की ओर (iv) (C) कथन तथा कारण दोनों सही है तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (v) (B) व्यंग्य का	5x1=5
7.	किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर : (i) • बच्चे जन्म से ही अपने साथ कपास जैसी कोमल भावनाएँ एवं लचीला शरीर लेकर आते हैं। • बच्चों की भावनाएँ स्वच्छ, पवित्र व कोमल होती हैं। उनका उल्लसित मन आकाश की ऊँचाई को छूना चाहता है।	(2x3=6) 3

	• बच्चों की शारीरिक सक्रियता, बेचैन चंचल पैरों की उड़ान थमने या रुकने की सुध नहीं लेती। • बच्चे भागते-दौड़ते ही सक्रिय व जीवंत रहते हैं। • सभी दिशाएँ उनकी सक्रियता की ताल से मृदंग की तरह बजती दिखाई देती हैं। (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (ii) • 'ऐ विप्लव के वीर!' बादल को कहा गया है। क्यों • बादल घनघोर वर्षा करता है तथा बिजलियाँ गिराता है। • घनघोर वर्षा से सारा जन-जीवन अस्त व्यस्त हो जाता है। • बादल क्रांति का प्रतीक है। • क्रांति आने से बुराई रूपी कीचड़ समाप्त हो जाता है। • सामान्य व्यक्ति की स्थिति बेहतर हो जाती है, वे अच्छा जीवन व्यतीत कर पाते हैं। (iii) • कवि कर्म एवं कृषि कर्म की समानता है। • किसान के खेत रोपने, बीज बोने, बीज के अंकुरित, पल्लवित और पुष्पित-फलति होकर जनता तक पहुँचाने की प्रक्रिया कवि के समान है। • कवि भी कागज रूपी खेत में भावों की आँधी से कोड़ बीज रोपता है, कल्पना के सहारे वह विकसित होता है। • शब्दों के अंकुर फूटते ही रचना का आकार लेने लगती है और उसमें अलौकिक रस का संचार होने लगता है। • श्रेष्ठ रचना के अलौकिक रस का अनंतकाल तक पाठक/श्रोता एवं दर्शक रसास्वादन करते रहते हैं।	$\frac{1}{2} + 2\frac{1}{2} = 3$ 3
8.	किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर : (i) • कवि का जीवन एकाकीपन की कुंठा से ग्रस्त है। • उससे मिलने के लिए और उसकी प्रतीक्षा हेतु कोई भी उत्कंठित नहीं है। • कवि की वियोग-वेदना और एकाकी जीवन की व्याकुलता व्यक्ति कर देती है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ii) • सूर्योदय से पूर्व उषा का दृश्य अत्यंत आकर्षक होता है।	(2x2=4) 2 2

	• भोर के समय आकाश का सौन्दर्य क्षण-क्षण में परिवर्तित होता रहता है, यह उषा का जादू है। • नीले आकाश का शंख-सा पवित्र होना, काली सिल पर केसर डालकर धोना, काली स्लटे पर लाल खड़िया मल देना, नीले जल में गोरी नायिका का झिलमिलाता प्रतिबिम्ब आदि दृश्य उषा के जादू के समान लगते हैं। सूर्योदय होने के साथ ही ये दृश्य समाप्त हो जाते हैं। (iii) • बालक आकाश में खिले चाँद को देखकर उसे पाना चाहता है। • बालक को चाँद एक खिलौने के समान प्रतीत होता है। • वह उसे पाने की जिद्द करने लगता है। • बालक बिना सोचे समझे किसी भी वस्तु/बात के लिए जिद्द कर सकते हैं।	2
9.	गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : (i) (C) अजेय मंत्र की (ii) (B) जीवन की कठिनाइयों को स्वीकार कर सत्य की खोज की ओर (iii) (A) 'शिरीष' जिजीविषा और तुमुल कोलाहल-कलह के बीच धीरता का परिचायक है। (iv) (C) परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढालकर स्वभाव से दृढ़ रहे (v) (C) आत्मबल का देहबल से श्रेष्ठ होना	(5x1=5)
10.	किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर : (i) चूड़ाकर्म – बाल कटवाना, सिर मुंडवाना (पति की मृत्यु के उपरांत) • भक्तिन प्रत्येक वीरवार को वह अपना सिर घुटाकर चूड़ाकर्म करती जो लेखिका को अच्छा नहीं लगता। • लेखिका द्वारा इस कार्य को रोकने पर भन्तिन ने कहा ऐसा शास्त्र में लिखा है – 'तीरब गए मुँडाए सिद्ध'। (ii) • किसी से कुछ पाने के लिए पहले कुछ चढ़ावा देना पड़ता है। इंद्र को पानी का अर्घ्य चढ़ाने से ही वे वर्षा के जरिए पानी देंगे। • त्याग भावना से दिया गया दान ही फलीभूत होता है, जिसकी आवश्यकता है, उस वस्तु के दान से ही फल की प्राप्ति संभव है जल के संदर्भ में भी यही विकल्प है। • जिस तरह किसान अपनी ओर से पाँच-छह सेर अच्छे गेहूँ खेतों में बोता है, ताकि अच्छी फसल हो सके उसी तरह पानी की बुवाई से इंद्र देव प्रसन्न होकर अच्छी वर्षा करते हैं जो अच्छी फसल प्रदान करती है।	(2x3=6) 1+2=3 3 1+2=3

	• त्याग तो वह होता है जो चीज कम है, उसकी जरूरत है तो अपनी जरूरत को पीछे रख कर दूसरे के कल्याण के लिए उसे दे दो तो ही वह दान कहलाता है। (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (iii) • जाति प्रथा पर आधारित श्रम विभाजन को क्योंकि जातिप्रथा, श्रम-विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन भी करती है। • सभ्य समाज में श्रम-विभाजन आवश्यक है, परंतु श्रमिकों के विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन किसी अन्य देश में नहीं है। • देश में श्रम-विभाजन मनुष्य की रुचि और क्षमता पर आधारित नहीं होता, वह मनुष्य की क्षमता, प्रशिक्षण एवं अभिरुचि को दरकिनार करते हुए जन्म और जाति के आधार पर होता है। • जाति-प्रथा मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में पेशा बदलने की अनुमति नहीं देती परिणामतः आजीविका का संकट और जीवन निर्वहन मुश्किल हो जाता है। (दूसरे भाग के लिए दो बिंदु आवश्यक)	
11.	किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर : (i) • क्रय शक्ति को बढ़ावा देता है। • धन जोड़ते रहने से अपनी संचित धन राशि देखकर गर्व होता है। • पैसे से ही व्यक्ति की समाज में मान-सम्मान, प्रतिष्ठा-स्थान का निर्धारण होता है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ii) • लुट्टन पहलवान के ढोलक की आवाज़ मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी। • महामारी की त्रासदी से व्याप्त अवसाद में ढोलक की आवाज़ से ग्रामीणों में उत्साह का संचार होता था। • ढोलक की आवाज़ ग्रामवासियों को जिजीविषा की शक्ति प्रदान करती थी। (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (iii) • भक्तिन के साथ रहकर महादेवी की जीवन-शैली सरल हो गई। • सुविधाओं की इच्छा को छिपाना, असुविधाओं के बीच रहना। • भक्तिन महादेवी की अभिभावक आत्मीय बन गई जिसे वह खोना नहीं चाहती थीं। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	(2x2=4) 2 2 2
12.	किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर : (i) <u>पक्ष में</u> • यथास्थितिवाद और अनिर्णय की स्थिति दिखाई देती है।	2x5=10 5

	- नयापन ठीक नहीं लगता, वे अपने सामाजिक मूल्यों को बनाए रखना चाहते हैं। - बच्चों की तरक्की से खुश होते हुए भी इंप्रापर महसूस करते हैं। - अपने सिद्धांत, अपने जीवन मूल्य उन पर थोपना चाहते हैं। - पत्नी – बच्चों के रहन-सहन विचारों से मेल नहीं रखते। विपक्ष में - प्रत्येक माता-पिता का संतान से वैचारिक मतभेद होता है जो कि समय और परिस्थिति के अनुरूप होता है। - आदमी चाहकर भी अतीत से मुँह नहीं मोड़ सकता। - अपने बच्चों से मान-सम्मान की अपेक्षा रखना गलत नहीं। - स्वयं दसवीं पास होते हुए भी बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाई। - जीवन-मूल्यों (त्याग, परोपकार, बड़ों का आदर, आध्यात्मिकता) का निर्वाह करना और बच्चों को सिखाना गलत नहीं। (छात्रों के पक्ष-विपक्ष उचित निजी विचार भी स्वीकार्य)	5
(ii)	‘जूझ’ के लेखक का संपूर्ण जीवन समस्त युवा वर्ग के लिए प्रेरणास्त्रोत है। - जटिल परिस्थितियों में भी अपना लक्ष्य साध कर शिक्षा ग्रहण करने की विद्या और विपरीत परिस्थितियों में भी अविचल रहना। - आर्थिक समस्याओं से जूझते हुए साथियों के बीच उपहास का केन्द्र बनने पर भी दृढ़ इच्छाशक्ति से अपनी मंजिल प्राप्त करना। - कविता सृजन में भी सफलता प्राप्त करना। - जूझने की शक्ति की प्रबलता किसी भी अक्षम को सक्षम बना देती है।	5
(iii)	- सिंधु सभ्यता के लोगों में कला के प्रति समृद्ध दृष्टि थी। - वास्तुकला तथा नियोजन, धातु एवं पत्थर की मूर्तियाँ, मिट्टी से बने बर्तन एवं उन पर बने वनस्पति एवं पशु-पक्षियों की छवियाँ, मुहरें और उन पर खुदी आकृतियाँ, खिलौने, केश-विन्यास, आभूषण आदि उस समय में विद्यमान हड़प्पा सभ्यता के सौंदर्य बोध को व्यक्त करते हैं। - प्रभुत्व की अपेक्षा कला एवं सौंदर्य से युक्त राजपोषित या धर्मपोषित न होकर समाज पोषित थी। - कलात्मक सौंदर्य का प्रभुत्व था। - उन्नत वास्तुकला।	
	- o o o -	